

“
आज उत्तर प्रदेश में कानून का राज है और योजनाओं का लाभ सीधे जनता को मिल रहा है। नये-नये उद्योगों के लिए निवेश हो रहा है, रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।
”

— नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

पूर्वांचल की बदलती तस्वीर



उत्तर प्रदेश के लिए 19 मार्च 2017 की तारीख महत्वपूर्ण है। इसी दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कमान संभाली और राज्य के विकास की मजबूत आधारशिला रखी। पिछले करीब साढ़े चार साल में योगी सरकार ने कानून व्यवस्था, महिला उत्थान, गांव-गरीब-किसान, रोजगार और इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास पर फोकस किया। इसी का नतीजा है कि आज उत्तर प्रदेश आर्थिक रूप से प्रगति कर रहा है। अर्थव्यवस्था चार साल में 11 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। यह देश में दूसरे स्थान पर है।

पूर्वांचल का भी उल्लेखनीय विकास हो रहा है। इस अवधि में यह क्षेत्र देश के आर्थिक नक्शे पर प्रमुखता से उभर कर संपन्नता की ओर तेजी से अग्रसर है। निःसंदेह पूर्वांचल के बदलाव की नई तस्वीर नजर आने लगी है...

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत

2.48 करोड़ किसानों को 32,500 करोड़ रुपये का भुगतान

गन्ना किसानों को

1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक गन्ना मूल्य का भुगतान

प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत

40 लाख से अधिक आवासों का निर्माण

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत

15 करोड़ पात्र लोगों को मुफ्त राशन वितरण

कोविड टीकाकरण

4.88 करोड़ लोगों का टीकाकरण, देश में सर्वाधिक

2 करोड़ लोगों को रोजगार, एमएसएमई इकाईयों के माध्यम से

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत

1.52 लाख से अधिक कन्याओं का विवाह

33 नये मेडिकल कॉलेज का निर्माण

16 नये मेडिकल कॉलेज की पी.पी.पी. मॉडल पर स्वीकृति प्रक्रिया प्रारंभ

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत

7.60 लाख बेटियाँ लाभान्वित

1.50 करोड़ से अधिक श्रमिकों को मनरेगा में रोजगार

सरकारी नौकरी

4.50 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी

